भाकृअनुप-केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान
श्री गंगानगर राजमार्ग, बीछवाल, बीकानेर-334 006 (राज)
ICAR- CENTRAL INSTITUTE FOR ARID HORTICULTURE
Sri Ganganagar Highway, Beechwal- BIKANER-334006
e-mail- ciah@nic.in www.ciah.icar.gov.in. Phone-0151-2250960 : Fax-2250145

दिनांक 05.05.2020

किसानों के लिए शुष्क बागवानी फ़सलों के बारे में सलाह

1. इस समय खेजड़ी में सांगरी बनकर तैयार होना शुरू हो गई है। अत: किसान भाईयों को सलाह दी जाती है कि इन्हे समय पर तोड़कर उनकी ग्रेडिंग जैसे सबसे छोटी व मुलायम, फिर इससे बड़ी व मुलायम व अन्य आदि के रूप में छांटकर उचित पेकिंग करके स्थानीय गाँव, बाज़ार, मंडी आदि में बेचकर अच्छी आमदनी प्राप्त करें।

2. इस समय लसौड़े के पैडों में लसौड़ा फल बनकर तैयार होना शुरू हो गए हैं। अत: उचित आकार के परिपक्व कच्चे फलों को तोड़कर उनकी अच्छी तरह से ग्रेडिंग-पेकिंग करके स्थानीय बाज़ार, गाँव, मंडी इत्यादि में समय पर बेचकर लाभ लेने की सलाह दी जाती है।

3. इस समय खजूर में फल लगना शुरू हो गए हैं और उनकी बढ़वार होने लगी है। इस समय फलों पर पक्षियों का प्रकोप बहुत ज्यादा रहता है। अत: किसान भाईयों को सलाह दी जाती है कि फलों को पक्षियों से बचाने के लिए, फल गुच्छों को जाली या एल्डी-मिल्की- यूवी प्लास्टिक बैग (थैला) से ढक दें। परंतु ध्यान रहे कि बैग का नीचला सिरा खूला अवश्य रखें ताकि प्रकाश व हवा बढ़ते फलों को पर्याप्त मात्रा में मिलते रहें। अब खजूर के फलों का बढ़ने का समय है। अत: समय-समय पर खजूर के पेड़ों में उचित रूप से सिंचाई करते रहें।

4. किसान भाईयों को सलाह दी जाती है कि अब बेर के पौधों की सभी किस्मों की कटाई- छंटाई का उचित समय है। अत: 15-20 मई तक इनकी इनकी कटाई- छंटाई का कार्य पूर्ण कर लें जो कि अगले वर्ष उचित फलन एवं अधिक उत्पादन के लिए जरूरी है।

5. गर्मी के मौसम में अनार में माईट का प्रकोप अचानक बढ़ जाता है। यह कीट पत्तियों का रस चूसता है। जिससे पत्तियों की नीचली सतह सफ़ेद भूरे रंग की हो जाती है और पत्तियां मुड़ कर गिरने लगती है। इस कीट के नियंत्रण के लिए प्रोपारजाईट (57 ई.सी.) का 1.5-2.0 मिली. प्रतिलीटर अथवा ऐस्पायरोमेसिफेन (240 एस.सी.) का 0.4-0.5 मिली. प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर बारी-बारी से छिड़काव करें तथा नियमित सिंचाई करें।

6. इस समय रबी की फसल की कटाई का कार्य लगभग पूर्ण हो चूका है। अत: किसान भाईयों को सलाह दी जाती है कि इस माह में मिट्टी पलटने वाले हल जैसे-मोल्ड बोल्ड हल, डिस्क प्लाऊ या डिस्क हेरो से 8-10 इंच की गहराई तक जुताई करनी चाहिए जिससे कि इन दिनों में अधिक धूप व वातावरण का तापक्रण बढ़ने के कारण जमीन के अंदर स्थित हानिकारक कीट पतंगों की लट, अंडा, प्युपा व हानिकारक सूक्ष्म जीव आदि नष्ट हो जाये। इस जुताई से खरपतवारों के बीज व पौधे भी अधिक तापक्रम के कारण नष्ट हो जाएँगे। ऐसा करने से मिट्टी की वर्षा जलधारण क्षमता बढ़ भी जाएगी एवं जल, प्रकाश, वायु व तापक्रम का संचरण भी पर्याप्त हो जाएगा जो अगली फसल के अच्छे उत्पादन के लिए अनिवार्य है। ऐसा करने से भूमि की भौतिक एवं रासानिक सरचना में भी सुधार होगा और साथ-साथ मिट्टी भी मुलायम व भूरभरी हो जाएगी जो कि अगली फसल की अच्छी पैदावार के लिए बहुत जरूरी है। यह जुताई लवणीय-क्षारीय मृदाओं में सुधार का भी कार्य करेगी।